www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UGC NET Paper 3 December 26, 2010 Shift 1 Sociology Question Paper

PAPER-III
SOCIOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

D	0	5	1	0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

www.prepp.in

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – I
खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** (20) अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Analyse the factors contributing to depeasantization in India.
भारत में निष्कृषकीकरण की प्रक्रिया में योगदान देने वाले कारकों का विश्लेषण कीजिये ।

OR / अथवा

Does industrialization necessarily lead to capitalism ? Comment.
क्या औद्योगिकीकरण अनिवार्य रूप से पूँजीवाद की ओर प्रवृत्त करता है ? टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Discuss how development has led to displacement of traditions ?
विकास ने परम्पराओं के विस्थापन की ओर किस प्रकार प्रवृत्त किया है ? विवेचना कीजिये ।

OR / अथवा

To what extent has the Indian population policy contributed to the improvement in quality of life ?
भारतीय जनसंख्या नीति ने जीवन की गुणवत्ता के सुधार में किस सीमा तक योगदान दिया है ?

OR / अथवा

Bring out the cultural determinants of gender roles in Indian family.
भारतीय परिवार में लिंगीय भूमिकाओं के सांस्कृतिक निर्धारकों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exam Guide

2. Critically examine the role of religion in the present Indian politics.
वर्तमान भारतीय राजनीति में धर्म की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

OR / अथवा

Discuss the impact of Information-Communication technology on the institutions of marriage and family in India.
भारत में विवाह एवं परिवार की संस्थाओं पर सूचना-संचार प्रौद्योगिकी के प्रभाव की विवेचना कीजिये ।

OR / अथवा

How has lack of development led to rise of militancy in India ? Discuss.
भारत में विकास के अभाव ने किस प्रकार आक्रामक हिंसा को बढ़ावा दिया है ? चर्चा कीजिए ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – II
खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल **एक** ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के **तीनों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
Rural Sociology
ऐच्छिक – I
ग्रामीण समाजशास्त्र

3. 'Jajmani relations are becoming contractual relations.' Elaborate the contributing factors to this change.
'जजमानी सम्बन्ध संविदात्मक सम्बन्ध बन रहे हैं ।' इस परिवर्तन के प्रति योगदान देने वाले कारकों का सविस्तार विवरण दीजिये ।

4. 'Rural leadership is faction-ridden.' Discuss with suitable examples.
'ग्रामीण नेतृत्व दलबंदी (गुटबन्दी) ग्रस्त है । उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिये ।

5. How are the recent Peasant Movements different from earlier Peasant Movements ? Explain.
वर्तमान कृषक आन्दोलन किस प्रकार पूर्ववर्ती कृषक आन्दोलनों से भिन्न हैं ? व्याख्या करें ।

OR / अथवा

Elective – II
Industry and Society
ऐच्छिक – II
उद्योग और समाज

3. Critically examine the views of Karl Marx on the role of trade unions in industrial societies.
औद्योगिक समाजों में श्रमिक संघों की भूमिका पर कार्ल मार्क्स के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

4. To what extent has the workers' participation in management improved the quality of industrial relations ?
प्रबन्धन में श्रमिकों की सहभागिता ने औद्योगिक सम्बन्धों की गुणवत्ता में कहाँ तक सुधार किया है ?

5. Critically examine the Indian Industrial Policy since independence (1947).
स्वतन्त्रता प्राप्ति (1947) के बाद से भारतीय औद्योगिक नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

OR / अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Elective – III
Sociology of Development
ऐच्छिक – III
विकास का समाजशास्त्र

3. What are the limitations of the dependency theories of development ? Examine Frank's theory in this regard.
विकास के पराश्रयता सिद्धान्त की परिसीमाएँ क्या हैं ? इस सम्बन्ध में फ्रैंक के सिद्धान्त की परीक्षा कीजिये ।

4. Has the State policy of development succeeded in eradicating socio-economic disparities in India ? Support your views with suitable examples.
भारत में सामाजिक-आर्थिक विषमताओं को समाप्त करने में क्या विकास की राजकीय नीति सफल हुई है ? अपने उत्तर की पुष्टि में उपयुक्त उदाहरण दीजिये ।

5. Critically examine the socio-cultural barriers in the process of modernisation of India.
भारत के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में सामाजिक-सांस्कृतिक अवरोधों का आलोचनात्मक परीक्षण करें ।

OR / अथवा
Elective – IV
Population and Society
ऐच्छिक – IV
जनसंख्या और समाज

3. Analyse Demographic Transition theory in relation to India's population growth since 1901.
1901 से भारत की जनसंख्या संवृद्धि के सम्बन्ध में जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिये ।

4. Critically examine the effects of declining sex ratio in India.
भारत में लिंग-अनुपात में निरन्तर कमी के प्रभावों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

5. To what extent have the measures taken for population control been effective in checking the population growth in India ? Explain.
भारत में जनसंख्या संवृद्धि को रोकने में जनसंख्या नियन्त्रण के लिये किये गये उपाय कहाँ तक प्रभावशील रहे हैं ? स्पष्ट कीजिये ।

OR / अथवा
Elective – V
Gender and Society
ऐच्छिक – V
लिंग और समाज

3. Gender being a social construct, can it be changed ? Substantiate your answer.
क्योंकि लिंग समाजनिर्मित अवधारणा है, क्या इसे बदला जा सकता है ? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिये ।

4. Discuss patriarchy as an ideology of oppression. Suggest strategies to deconstruct patriarchy.
दमन की विचारधारा के रूप में पितृसत्ता की विवेचना कीजिये । पितृसत्ता को विरचित (डिकांस्ट्रक्ट) करने की रणनीतियाँ बताइये ।

5. Can eco-feminism contribute to sustainable development ? Elucidate your answer with suitable case studies.
क्या पर्यावरणीय नारीवाद धारणीय विकास में योगदान दे सकता है ? अपने उत्तर को उपयुक्त एकल अध्ययनों के साथ स्पष्ट कीजिये ।

Your Personal Exam Guide

Prepp Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – III
खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Explain Goffman's concept of 'Dramaturgy'.
अभिनय कला के बारे में गॉफमैन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

7. What is the 'Crisis of Marxism' as perceived by Althusser ?
'मार्क्सवाद के संकट' को जिस प्रकार से अल्थूज़र ने समझा, वह क्या है ?

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

8. Explain Derrida's concepts of signifier and signified.
संकेतक और संकेतित के बारे में देरिदा की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिये ।

9. What are the major forms of cultural diversities in India ?
भारत में सांस्कृतिक विविधताओं के वृहद रूप क्या हैं ?

10. Distinguish between the indological perspective propounded by Louis Dumont and G.S. Ghurye.
लुई ड्यूमाँ और जी.एस. घुर्ये द्वारा प्रतिपादित भारत विद्या परिप्रेक्ष्य के बीच अन्तर कीजिये ।

11. Discuss the causes and consequences of domestic violence.

घरेलू हिंसा के कारणों और परिणामों की विवेचना करें ।

www.prepp.in

12. Elaborate the causes of regional disparities in India.
भारत में क्षेत्रीय असमानताओं के कारणों को विस्तार से बताइये ।

13. Clarify the meaning of 'white collar crime'.
'श्वेत वसन अपराध' का अर्थ स्पष्ट कीजिये ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

14. What do you mean by indigenisation of sociology ?
समाजशास्त्र के स्वदेशीकरण से आप क्या समझते हैं ?

SECTION – IV
खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

In Theoretical Logic in Sociology, I (Anthony Giddens) suggested that the positivist persuasion in the social sciences rests on four major postulates. The first is that a radical, epistemological break exists between empirical observations, which are held to be specific and concrete, and non-empirical statements, which are held to be general and abstract. Only because, this break is taken for granted can the second postulate be made : more general and abstract concerns – philosophical or metaphysical – do not have fundamental significance for the practice of an empirically – oriented discipline. Third, questions which are of a generalised, abstract and theoretical nature can be evaluated only in relation to empirical observations. This suggests that, whenever possible, theory should be stated in propositional form and further, that theoretical conflicts are decided through empirical tests and crucial experiments. Finally, because these first three postulates supply no ground for structured scientific disagreement, the fourth postulate suggest that scientific development is progressive, that is, linear and cumulative. Differentiation in a scientific field, then, is taken to be the product of specialisation in different empirical domains rather than the result of generalised, non-empirical disagreement about how to explain the same empirical domain.

While these four postulates still accurately reflect the common sense of most practicing social scientists – especially those of the American variety – they have been sharply challenged by the new wave of post-positivist philosophy, history and indeed, sociology of natural science, which has emerged over the last two decades. Whereas the postulates of the positivist persuasion effectively reduce theory to fact, those of the post-positivist position rehabilitate the theoretical.

Scientific commitments are not based solely on empirical evidence. As Polanyi convincingly demonstrates, the principled rejection of evidence is the very bedrock upon which the continuity of science depends.

Fundamental shifts in scientific belief occur only when empirical changes are matched by the availability of convincing theoretical alternatives. Because such theoretical shifts are often in the background, they are less visible to those engaged in scientific work. It is for this reason that empirical data give the appearance of being concretely induced rather than analytically constructed.

'थ्योरीटिकल लॉजिक इन सोशियोलॉजी' में, मैंने (एंथनी गिडेन्स) बताया है कि सामाजिक विज्ञानों में प्रत्यक्षवादी अनुसरण चार मुख्य अभिधारणाओं पर आधारित है । पहली यह है कि आनुभविक प्रेक्षणों के बीच आमूल, ज्ञान-मीमांसी विच्छेद विद्यमान है और यह प्रेक्षण विशिष्ट एवं स्थूल और गैर-आनुभविक कथन समझे जाते हैं तथा सामान्य एवं अमूर्त समझे जाते हैं । मात्र इसलिये कि इस विच्छेद को प्रदत्त मान लिया जाता है, तो क्या दूसरी अभिधारणा निर्मित की जा सकती है : ज्यादा सामान्य और अमूर्त सरोकार – दार्शनिक या अधिभौतिक – का आनुभविक रूप से अभिमुख विषय के व्यवहार के लिये कोई मौलिक महत्त्व नहीं है । तीसरी, जो प्रश्न सामान्यीकृत, अमूर्त और सैद्धान्तिक प्रकृति के हैं उनका केवल आनुभविक प्रेक्षणों के सम्बन्ध में मूल्यांकन किया

जा सकता है । यह बताता है कि जब भी संभव हो, सिद्धान्त को प्रस्ताव के रूप में प्रस्तुत करना चाहिये और यह कि सैद्धान्तिक संघर्षों का समाधान आनुभविक परीक्षणों और संगीन (या महत्त्वपूर्ण) प्रयोगों के जरिये किया जाता है । अंतत:, क्योंकि यह पहली तीन अभिधारणाएँ संरचनात्मक वैज्ञानिक असहमति के लिये कोई आधार प्रदान नहीं करती है, चौथी अभिधारणा बताती है कि वैज्ञानिक विकास प्रगतिशील होता है, अर्थात् रैखिक और संचयी । तो फिर वैज्ञानिक क्षेत्र में विभेदीकरण को भिन्न आनुभविक क्षेत्रों में विशिष्टीकरण का प्रतिफल मान लिया गया है बजाय सामान्यीकृत, 'एक समान आनुभविक क्षेत्र की व्याख्या किस प्रकार करनी है', के बारे में अनानुभविक असहमति का प्रतिफल मानने के ।

यह चार अभिधारणायें, जबकि अभी भी अधिकांश कार्यरत सामाजिक वैज्ञानिकों का सामान्य बोध ठीक-ठीक प्रकट करती हैं, विशेष रूप से अमेरिकन वैज्ञानिक, उत्तर-प्रत्यक्षवादी दर्शन, इतिहास और निस्संदेह, प्राकृतिक विज्ञान के समाजशास्त्र की नव लहर द्वारा उन्हें तीव्रता से चुनौती दी गई है । यह लहर पिछले दो दशकों के दौरान उभर कर आई है । प्रत्यक्षवादी अनुसरण की अभिधारणायें जबकि सिद्धान्त को प्रभावपूर्ण ढंग से तथ्य तक ले आती है, उत्तर-प्रत्यक्षवादी स्थिति सैद्धान्तिक को पुन: प्रतिष्ठित करती है ।

वैज्ञानिक प्रतिबद्धतायें सिर्फ आनुभविक प्रमाण पर आधारित नहीं है । जैसा कि पॉलयानी ने विश्वासोत्पादक रूप से प्रदर्शित किया है कि प्रमाण का सिद्धान्तवादी अस्वीकरण बिल्कुल वही आधारशैल है जिसके ऊपर विज्ञान की सततता निर्भर करती है ।

वैज्ञानिक धारणा में मूलभूत परिवर्तन सिर्फ तभी होता है जब आनुभविक परिवर्तन, विश्वासोत्पादक सैद्धान्तिक विकल्पों की उपलब्धता के साथ सुमेलित होते हैं । क्योंकि ऐसे सैद्धान्तिक परिवर्तन प्राय: पृष्ठभूमि में रहते हैं, उन लोगों को जो वैज्ञानिक कार्य में लगे हैं, कम दृष्टिगोचर होते हैं । यही कारण है कि आनुभविक आँकड़े स्थूल रूप से प्रेरित होने की प्रतीति देते हैं बजाय वैश्लेषिक रूप से निर्मित होने की ।

15. What kind of break exists between the empirical and non-empirical observations ?
आनुभविक और गैर-आनुभविक (अनानुभविक) प्रेक्षणों के बीच किस प्रकार का विच्छेद विद्यमान है ?

prepp
Your Personal Exams Guide

16. In what form should theory be stated ?
सिद्धान्त को किस रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिये ?

17. What results do the positivist postulates bring to theory ?
प्रत्यक्षवादी अभिधारणाओं के कारण सिद्धान्त में क्या परिणाम देखने को मिलते हैं ?

Prepp
Your Personal Exams Guide

18. How do changes in scientific belief occur ?
वैज्ञानिक धारणा में किस प्रकार परिवर्तन उत्पन्न होते हैं ?

19. Distinguish between positivist and post-positivist approaches to theory.
सिद्धान्त के प्रत्यक्षवादी और उत्तर प्रत्यक्षवादी उपागमों के बीच अन्तर करें ।

Prepp
Your Personal Exams Guide

Space For Rough Work

Prepp Your Personal Exam Guide

Prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....